खबर संक्षेप

14 मार्च को सजेगी नेशनल लोक अदालत

शहडोल। सामाजिक न्याय दिवस के अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने न्याय को गरीब की दहलीज तक पहुंचाने का बिगुल फूंक दिया है। जिला विधिक अधिकारी देवेन्द्र परस्ते के कुशल मार्गदर्शन में पैरा लीगल वालंटियर प्रकाश राव, शिरीषचंद्र सिंह और सुनील सिंह श्याम ने जिले के ग्रामीण अंचलों, नुक्कड़ और चौराहों पर मोर्चा संभाला। इस विधिक जागरूकता अभियान के जरिए ग्रामीणों को 14 मार्च 2026 को आयोजित होने वाली वर्ष की प्रथम नेशनल लोक अदालत के महत्व से रूबरू कराया गया। वालंटियर्स ने दो-टूक शब्दों में संदेश दिया कि आपसी सुलह और लोक अदालत के माध्यम से मुकदमों का निपटारा ही सामाजिक समरसता की असली बुनियाद है। नालसा और सालसा की योजनाओं का यह व्यापक प्रचार-प्रसार उन लोगों के लिए उम्मीद की किरण है, जो कोर्ट-कचहरी के चक्करों से मुक्ति चाहते हैं।

शादी का झांसा देकर आबरू लूटने वाला आरोपी सलाखों के पीछे

शहडोल। रिश्तों को कलंकित करने और शादी का झांसा देकर महिला की अस्मत से खिलवाड़ करने वाले एक शातिर आरोपी को गोहपारू पुलिस ने लोहे के चने चबवा दिए हैं। पुलिस ने वर्ष 2023 से पीड़िता का शारीरिक शोषण करने वाले आरोपी राजकुमार सोनी (निवासी ग्राम लेदरा) को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेज दिया है। आरोपी राजकुमार ने शादी का झूठा वादा कर वर्षों तक पीड़िता का शोषण किया। हद तो तब हो गई जब पावन पर्व महाशिवरात्रि (15 फरवरी) के दिन भी उसने पीड़िता के शहडोल स्थित किराये के कमरे में जाकर जबरन संबंध बनाए। अगले दिन जब पीड़िता ने विवाह का दबाव बनाया, तो भेड़ की खाल में छिपे इस भेड़िये ने अपना असली रंग दिखाते हुए पीड़िता को बेरहमी से पीटा और जान से मारने की धमकी दी। महिला सुरक्षा उप पुलिस अधीक्षक शिवाली चतुर्वेदी के कड़े निर्देशन में गोहपारू पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध बीएनएस की धारा 69, 351(3) और एससी/एसटी एक्ट की गंभीर धाराओं के तहत मामला दर्ज कर उसे 20 फरवरी को दबोच लिया। इस शानदार कार्रवाई में इंचार्ज भागचंद, आरक्षक अमृत लाल, अमर सिंह और गुरु दयाल की भूमिका सराहनीय रही। पुलिस की इस फुर्ती ने अपराधियों को कड़ा संदेश दिया है कि शहडोल में कानून से बड़ा कोई नहीं है।

महामाया मंदिर में चोरी करने वाले धराये

शहडोल। आस्था के केंद्र मंदिरों को निशाना बनाने वाले बेखौफ चोरों के खिलाफ सिंहपुर पुलिस ने सर्जिकल स्ट्राइक करते हुए दो शातिर अपराधियों को सलाखों के पीछे धकेल दिया है। ग्राम भानपुर के महामाया और दुर्गा मंदिर में चोरी की सनसनीखेज वारदात को अंजाम देने वाले इन कलयुगी चोरों को पुलिस ने महज 4 दिनों के भीतर दबोचकर उनकी असली जगह पहुंचा दी है।बीती 16 फरवरी की दरमियानी रात बदमाशों ने भानपुर स्थित मंदिरों के ताले तोड़कर माता रानी के सोने-चांदी के जेवरात पार कर दिए थे। फरियादी प्रकाश सिंह तोमर की रिपोर्ट पर पुलिस ने तत्परता दिखाई। थाना प्रभारी निरीक्षक एम.एल. संगडाले के नेतृत्व में गठित टीम ने मुखबिरों का जाल बिछाया और खैरहा निवासी पुपेन्द्र उर्फ अमन विश्वकर्मा उम्र 25 वर्ष तथा मोहम्मद अहेद रजा उम्र 19 वर्ष को घेराबंदी कर उठा लिया।

शासकीय ज्ञानोदय आवासीय विद्यालय विचारपुर

ज्ञानोदय हॉस्टल पर उठे गंभीर सवाल: बीमार छात्र सुमित की मौत से मचा हड़कंप

शहडोल के ज्ञानोदय आवासीय विद्यालय में 12वीं के छात्र सुमित चौधरी की मौत ने प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। परिजनों ने आरोप लगाया है कि बीमार होने के बावजूद छात्रावास प्रबंधन ने समय पर सूचना नहीं दी, जिससे इलाज में देरी हुई और छात्र की जान चली गई। मामले में जांच समिति गठित कर दी गई है, लेकिन परिवार न्याय की मांग पर अड़ा है।

शहडोल। जिले के विचारपुर स्थित शासकीय ज्ञानोदय आवासीय विद्यालय एक बार फिर गंभीर आरोपों के घेरे में है। कक्षा 12वीं के छात्र सुमित चौधरी की मौत ने न केवल छात्रावास प्रबंधन बल्कि जनजातीय कार्य विभाग की कार्यप्रणाली पर भी बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। अनूपपुर जिले के ग्राम पयारी निवासी सुमित के परिजनों ने इसे लापरवाही ही नहीं, बल्कि सोची-समझी हत्या तक करार दिया है। मृतक छात्र के पिता रूपन चौधरी और माता सीता चौधरी गुजरात में मेहनत-मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते हैं। परिवार की आर्थिक स्थिति अत्यंत कमजोर बताई जा रही है। सुमित छात्रावास में रहकर पढ़ाई कर रहा था और पढने-लिखने में अत्यंत होनहार था। परिजनों के अनुसार उसने हाल ही में एक प्रतियोगी परीक्षा दी थी, जिसका परिणाम उसकी मृत्यु के बाद आया और वह उसमें क्वालीफाई भी हो गया था। लेकिन परिणाम देखने से पहले ही उसकी जिंदगी खत्म हो गई।

उपचार के दौरान हुई मौत

परिजनों के अनुसार सुमित की तबीयत कई दिनों से खराब थी। आरोप है कि छात्रावास प्रबंधन ने इस बारे में परिवार को कोई सूचना नहीं दी। हालात इतने बिगड़ गए थे कि सुमित मोबाइल तक नहीं उठा पा रहा था। उसके साथ पढ़ रहे एक छात्र ने परिजनों को स्थिति की जानकारी दी। सूचना मिलने पर सुमित के दादा हेमू चौधरी छात्रावास पहुंचे और उसे अस्पताल लेकर आए। पहले उसे स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन हालत में सुधार न होने पर उसे अनूपपुर जिला चिकित्सालय ले जाया गया। वहां से चिकित्सकों ने गंभीर स्थिति देखते हुए शहडोल रेफर कर दिया। डॉक्टरों ने परिजनों को बताया कि सुमित को मलेरिया, टाइफाइड और पीलिया जैसी बीमारियां एक साथ हो गई थीं। समय पर समुचित इलाज न मिलने के कारण उसकी दोनों किडनी फेल हो गईं। 19 फरवरी को उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। मामा संतलाल चौधरी ने आरोप लगाया कि छात्रावास में सुमित को कुछ इंजेक्शन लगाए गए और दवाइयां दी गईं, लेकिन उनसे संबंधित कोई मेडिकल पर्ची या दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराए गए। उन्होंने कहा कि यदि समय पर सूचना दी जाती और उचित इलाज मिलता तो आज सुमित जीवित होता।

यह हादसा नहीं, हत्या है

संतलाल चौधरी ने शहडोल जिला प्रशासन, छात्रावास अधीक्षक नीलशरण सिंह तथा अन्य जिम्मेदारों पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि यह केवल लापरवाही नहीं, बल्कि सोची-समझी हत्या है। उनका कहना है कि बीमार छात्र को समय पर अवकाश नहीं दिया गया और परिवार को सूचना तक नहीं दी गई। परिवार का आरोप है कि जब तक हालत अत्यंत गंभीर नहीं हो गई, तब तक छात्रावास प्रबंधन ने मामले को छुपाए रखा। यदि पहले ही उचित कदम उठाए जाते तो सुमित की जान बचाई जा सकती थी।

पहले भी विवादों में रहे आवासीय विद्यालय

गौरतलब है कि हाल के महीनों में जिले और संभाग के कई आवासीय विद्यालय विवादों में रहे हैं। माता शबरी शासकीय कन्या शिक्षा परिसर सोहागपुर से दो छात्राओं के लापता होने का मामला सामने आया था। सीनियर आदिवासी कन्या आश्रम छात्रावास गोहपारू की छात्राएं लगभग 50 किलोमीटर पैदल चलकर कलेक्टर कार्यालय पहुंची थीं और अधीक्षिका पर गंभीर आरोप लगाए थे। वहीं एकलव्य आवासीय विद्यालय हर्री से 16 वर्षीय छात्रा के लापता होने के बाद पुलिस ने अपहरण का मामला दर्ज किया था। इन घटनाओं के बावजूद ठोस कार्रवाई न होना प्रशासन की निष्क्रियता को दर्शाता है। लगातार सामने आ रही घटनाओं ने यह प्रश्न खड़ा कर दिया है कि क्या छात्रावासों में बच्चों की सुरक्षा और स्वास्थ्य की जिम्मेदारी लेने वाला कोई है भी या नहीं।

जांच समिति गठित

मामले की गंभीरता को देखते हुए जनजातीय कार्य विभाग के संभागीय उपायुक्त जेपी यादव ने तीन सदस्यीय जांच समिति गठित की है। समिति में जेपी नापित (सहायक संचालक), मनोज तिवारी प्राचार्य, उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पचगांव और राजेंद्र तिवारी क्षेत्र संयोजक को शामिल किया गया है। हालांकि परिजनों का कहना है कि पहले भी कई मामलों में जांच की घोषणा हुई, लेकिन नतीजा सामने नहीं आया। उनका सवाल है कि क्या इस बार भी मामला फाइलों में दब जाएगा।

भविष्य पर लगा ग्रहण

सुमित चौधरी एक होनहार छात्र था। सीमित संसाधनों के बावजूद उसने मेहनत से पढ़ाई की और प्रतियोगी परीक्षा में सफलता भी हासिल की। लेकिन प्रशासनिक लापरवाही ने उसके सपनों को अधूरा छोड़ दिया। एक ऐसा छात्र, जो देश का भविष्य बन सकता था, महज एक लापरवाही का शिकार होकर काल का ग्रास बन गया। अब पूरे जिले में यह चर्चा है कि आखिर कब तक छात्रावासों पर यह काली छाया बनी रहेगी और जिम्मेदार अधिकारी आंखें मूंदे बैठे रहेंगे। सुमित की मौत ने व्यवस्था की संवेदनहीनता को उजागर कर दिया है।

इनका कहना है...

मामले की निष्पक्ष एवं तथ्यात्मक जांच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। गठित समिति में जे.पी.नापित सहायक संचालक, जनजाति कार्य विभाग शहडोल, मनोज तिवारी प्राचार्य, उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पचगांव तथा राजेंद्र तिवारी क्षेत्र संयोजक, जनजाति कार्य विभाग को सदस्य बनाया गया है। समिति को पूरे घटनाक्रम की विस्तृत जांच कर निर्धारित समयावधि में प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।

जे.पी.यादव
संभागीय आयुक्त
जनजाति कार्य विभाग, शहडोल

भाजपा सरकार के अंत्योदय के दावों की उड़ी धज्जियां

ग्राम पंचायत बसोहरा बनी भ्रष्टाचार की चारागाह

शहडोल। अंतिम छोर के व्यक्ति की पुकार सुनने का दंभ भरने वाली सरकार के दावे जिले में महज ढपोलशंख साबित हो रहे हैं। मैदानी हकीकत यह है कि जयसिंहनगर जनपद के बसोहरा में भ्रष्टाचार की जड़ें इतनी गहरी हो चुकी हैं कि यहां विकास नहीं, बल्कि केवल सरपंच-सचिव की तिजोरियां लबालब हो रही हैं। अफसरों की ड्योढियों पर फरियादी नाक रगडक़र थक चुके हैं, लेकिन मजाल है कि जांच की फाइल बस्तों से बाहर निकल आए। जब रक्षक ही भक्षक बन जाएं और प्रमाणित भ्रष्टाचार पर साहबों की कलम लकवाग्रस्त हो जाए, तो समझ लीजिए कि न्याय का सिंहासन डोल चुका है और भ्रष्टाचार अब पनप नहीं रहा, बल्कि पूरी तरह हावी हो चुका है।

आस्था के नाम पर अंधेरगर्दी

प्रधानमंत्री खनिज क्षेत्र कल्याण योजना के तहत गौशाला परिसर में बन रही 14 लाख 98 हजार रुपये की बाउंड्रीवॉल का है। कायदे से इस निर्माण में 12.73 लाख रुपये सामग्री और 2.24 लाख रुपये मजदूरी पर खर्च होने थे, लेकिन पंचायत ने पर्दे के पीछे से इस काम को ठेकेदारी की बलि चढ़ा दिया है। ग्रामीणों का आरोप है कि यहां गुणवत्ता को ताक पर रखकर रेत का महल खड़ा किया जा रहा है। प्लंथ में एक-एक फिट की दूरी पर सरिया डाला गया है, जो किसी भी मानक के खिलाफ है। बीम में नाम मात्र का सरिया डालकर उसे कंक्रीट से ढका गया है, ताकि ऊपर से सब चकाचक दिखे। जब तक एसडीओ को शिकायत नहीं हुई, तब तक निर्माण में पानी की एक बूंद तक नहीं डाली गई।

आखिर कौन है इनका आका

सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब पूरे जिले में रेत का वैध ठेका ही नहीं है, तो फिर रोहित इंटरप्राइजेस और मृगनयनी ट्रेडर्स जैसे फर्म खुलेआम रेत की सप्लाई कैसे दे रहे हैं। निर्माण कार्य बिना रुके धड़ल्ले से चल रहा है। क्या खनिज विभाग और प्रशासन ने इन फर्मों को अवैध उत्खनन और परिवहन का लाइसेंस दे रखा है, बिना रॉयल्टी की रेत से बन रही यह बाउंड्रीवॉल भ्रष्टाचार के उस गठजोड़ का सबूत है, जिसमें सरपंच, सचिव और उपयंत्री की भूमिका पूरी तरह संदिग्ध है।

स्थानीय मजदूरों का हक मारकर मानपुर वालों को रेवड़ी

ग्राम पंचायत बसोहरा के अपने मजदूर दाने-दाने को मोहताज हैं, चर्चा है कि कमीशनखोरी के चक्कर में उमरिया जिले के मानपुर जनपद से मजदूर बुलाकर काम कराया जा रहा है। मजदूरी भुगतान में भारी विसंगतियां हैं। स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि सचिव अपनी मनमर्जी से शासकीय योजनाओं का लाभ अपनों और चहेतों में रेवड़ी की तरह बांट रहे हैं, जबकि पात्र हितग्राही दफ्तरों के चक्कर काट-काटकर बूढ़े हो रहे हैं।

उपयंत्री की मौन सहमति और अधूरी योजनाएं

बसोहरा पंचायत में यह कोई पहला मामला नहीं है, यहां अधिकांश निर्माण कार्य आज भी अपूर्ण पड़े हैं। बजट का बंदरबांट करना ही यहां का मुख्य लक्ष्य बन गया है। उपयंत्री को गुणवत्ता से कोई सरोकार नहीं है, उन्हें मतलब है तो सिर्फ अपनी कमीशन की फाइल पास होने से। ग्रामीणों ने बार-बार धांधलियों की शिकायत की, लेकिन जांच के नाम पर केवल खानापूर्ति की गई। अगर इन कार्यों का निष्पक्ष भौतिक सत्यापन कराया जाए।

पांडव नगर की शक्ति का छत्तीसगढ़ में शंखनाद

सिविल जज परीक्षा में गाड़े सफलता के झंडे, देशभर में हासिल की 10वीं रैंक!

राजेश चतुर्वेदी की सुपुत्री शक्ति ने बढ़ाया शहडोल का मान

शहडोल। प्रतिभा किसी परिचय की मोहताज नहीं होती और जब इरादे फौलादी हों, तो सफलता कदम चूमती ही है। शहडोल के पांडव नगर (सजल निवास) की लाड़ली शक्ति चतुर्वेदी ने इसे सच कर दिखाया है। छत्तीसगढ़ सिविल जज परीक्षा के घोषित परिणामों में शक्ति ने अपनी विद्वत्ता का लोहा मनवाते हुए ऑल इंडिया 10वीं रैंक हासिल की है। इस ऐतिहासिक सफलता के साथ ही शक्ति अब छत्तीसगढ़ में न्याय की कुर्सी संभालेंगी।

कठिन परिश्रम से लिखा सफलता का नया अध्याय

राजेश चतुर्वेदी की सुपुत्री शक्ति ने साबित कर दिया है कि यदि लक्ष्य के प्रति समर्पण हो, तो कोई भी बाधा बड़ी नहीं होती। उन्होंने न केवल इस प्रतिष्ठित परीक्षा को उत्तीर्ण किया, बल्कि टॉप-10 में

जगह बनाकर क्षेत्र का नाम पूरे देश में रोशन कर दिया। शक्ति की इस शक्तिशाली उपलब्धि ने यह संदेश दिया है कि छोटे शहरों की बेटियां अब न्यायपालिका के सर्वोच्च शिखरों पर अपनी दस्तक दे रही हैं।

संस्कार और संकल्प की जीत

शक्ति की इस कामयाबी को उनके परिवार ने मां विराटेश्वरी और खेर माता का असीम आशीर्वाद बताया है। परिजनों का कहना है कि शक्ति प्रारंभ से ही अनुशासित और लक्ष्य के प्रति केंद्रित रही हैं। उनके लिए पढ़ाई केवल एक प्रक्रिया नहीं, बल्कि एक साधना थी। आज उनकी इसी तपस्या का फल है कि शहडोल के पांडव नगर में दिवाली जैसा माहौल है और बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है।

युवाओं के लिए प्रेरणा पुंज

शहडोल के गणमान्य नागरिकों और बुद्धिजीवियों ने शक्ति को बधाई देते हुए कहा है कि यह केवल एक चयन नहीं, बल्कि उन सभी युवाओं के लिए एक सीधी चुनौती और प्रेरणा है जो संसाधनों की कमी का रोना रोते हैं। शक्ति ने सिद्ध कर दिया है कि दृढ़ संकल्प ही वह चाबी है जिससे सफलता के द्वार खुलते हैं। क्षेत्र के हर घर में आज शक्ति की चर्चा है। एक सिविल जज के रूप में उनका चयन न केवल उनके परिवार के लिए गौरव का क्षण है, बल्कि पूरे शहडोल संभाग के लिए सम्मान की बात है।

लोकतंत्र का नया शक्ति पत्र

शहडोल जिले में अब 7.60 लाख वोटर तय करेंगे भविष्य

शहडोल। भारत निर्वाचन आयोग के आदेश पर विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 की अग्निपरीक्षा के बाद आखिरकार शहडोल जिले की नई और संशोधित मतदाता सूची का शक्ति पत्र जारी हो गया है। अपर कलेक्टर सरोधन सिंह और उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती अमृता गर्ग की मौजूदगी में संपन्न हुई स्टैंडिंग कमेटी की बैठक और प्रेस कॉन्फ्रेंस ने जिले की लोकतांत्रिक तस्वीर साफ कर दी है। इस बार सूची केवल आंकड़ों का ढेर नहीं है, बल्कि यह जिले में युवाओं और महिलाओं के बढ़ते रसूख की गवाही दे रही है।

आंकड़ों की हुंकार: 11,570 नए योद्धा मैदान में

विशेष पुनरीक्षण के बाद जिले में कुल मतदाताओं का आंकड़ा अब 7,60,743 तक जा पहुंचा है। सबसे दिलचस्प पहलू यह है कि जिले में 11,570 नए मतदाताओं के नाम जोड़े गए हैं। इनमें 6,094 महिलाएं और 5,475 पुरुष शामिल हैं। यह आंकड़ा साफ करता है कि नई पीढ़ी वोट की ताकत को लेकर बेहद सजग है। प्रारूप प्रकाशन के समय यह संख्या 7.49 लाख थी, जो अब व्यापक इजाफे के साथ अंतिम रूप ले चुकी है।

966 से बढ़कर 1034 हुए मतदान केंद्र

निर्वाचन आयोग ने मतदाताओं की सुविधा के लिए जिले में मतदान केंद्रों के जाल को और फैला दिया है। जिले में अब कुल 1034 मतदान केंद्र बनाए गए हैं, जबकि पहले यह संख्या 966 थी। यानी 68 नए केंद्र उन इलाकों में खोले गए हैं जहाँ मतदाताओं को लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी। ब्यौहारी में कुल 2,68,273 मतदाता हैं। (1,40,082 पुरुष, 1,28,190 महिला, 1 अन्य)। जेंडर रेशियो 915.10 है। जयसिंहनगर में कुल 2,52,581 मतदाता हैं। (1,27,913 पुरुष, 1,24,662 महिला, 6 अन्य)। जेंडर रेशियो 974.58 है। वहीं जैतपुर में कुल 2,39,889 मतदाता हैं। (1,22,051 पुरुष, 1,17,834 महिला, 4 अन्य)। जेंडर रेशियो 965.44 है।

महिलाओं ने मारी बाजी, सुधरा जेंडर रेशियो

प्रशासन के प्रयासों का असर जिले के जेंडर रेशियो (लिंगानुपात) में भी दिखाई दे रहा है। प्रारूप प्रकाशन के समय यह 948.04 था, जो अब बढ़कर 950.36 हो गया है। यानी 2.32 अंकों की शानदार वृद्धि हुई है। वहीं ईपी रेशियो में भी 1.18 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जो मतदाताओं की जागरूकता का प्रमाण है।

सफाई भी हुई कड़ी: 49 हजार नाम सूची से बाहर

सिर्फ नाम जोड़े ही नहीं गए, बल्कि फर्जीवाड़े और त्रुटियों को रोकने के लिए व्यापक सफाई अभियान भी चलाया गया। एएसडीआर सूची के तहत कुल 49,017 नाम हटाए गए। इनमें 12,277 मृत, 7,853 अनुपस्थित, 25,988 स्थानांतरित और 2,780 दोहरी प्रविष्टि वाले नाम शामिल थे। इस दौरान प्रशासन को कुल 70,522 दावे और आपत्तियां प्राप्त हुईं, जिनका निपटारा कर पारदर्शी सूची तैयार की गई। बैठक मंन निर्वाचन सुपरवाइजर संजय खरे सहित राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि विष्णुप्रताप सिंह, अरफाना बेगम और जिले के मीडिया जगत के दिग्गज उपस्थित रहे। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने स्पष्ट किया कि यह सूची आगामी लोकतंत्र के उत्सव का सबसे मजबूत आधार बनेगी।

बुढ़ार में फूंके गए तीन कद्दावर मंत्रियों के पुतले, कांग्रेस ने किया हल्लाबोल!

बुढ़ार। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के आह्वान पर बुढ़ार ब्लॉक कांग्रेस ने धनपुरी के मुख्य चौराहे पर सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। ब्लॉक अध्यक्ष अंकित सिंह के नेतृत्व में आक्रोशित कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, राजेंद्र शुक्ला और विजय शाह का पुतला दहन कर जमकर नारेबाजी की। कांग्रेस का सीधा आरोप है कि सत्ता के नशे में चूर ये मंत्री अपनी अनर्गल बयानबाजी से न केवल मर्यादा लांघ रहे हैं, बल्कि सीधे तौर पर जनभावनाओं को ठेस पहुंचा रहे हैं। आजाद चौक पर हुए इस प्रदर्शन ने साफ कर दिया है कि मंत्रियों की जुबानबाजी अब कांग्रेस बर्दाश्त नहीं करेगी। कार्यकर्ताओं ने दो-टूक चेतावनी दी कि यदि मंत्रियों के तेवर नहीं बदले, तो यह आंदोलन सडक़ों से निकलकर घर-घर तक पहुंचेगा।

विरोध प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने अमेरिकी ट्रेड डील के विरोध, सेना के कथित अपमान, भागीरथपुरा में दूषित पानी से हुई मौतों, छिंदवाड़ा में कफ सिरप से बच्चों की दुखद मौतों तथा नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार पर की गई अभद्र टिप्पणी को लेकर प्रदेश सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाज़ी की जिसमे मुख्य रूप से वरिष्ठ उपाध्यक्ष राम सिंह, नपा उपाध्यक्ष हनुमान प्रसाद खंडेलवाल पार्षद वरिष्ठ कांग्रेस नेता आनंद मोहन जायसवाल पूर्व नपा उपाध्यक्ष संतोष सिंह सेंगर नौशेरमा ख़ान पार्षद नईम खान पार्षद मोहन बैगा अनुज सिंह आदिवासी कांग्रेस के प्रदेश सचिव प्रदीप रावत , एस पी सिंह,प्रशांत जैन, मनोज जैन इकबाल अहमद ,अनिल जायसवाल, विमल सिंह,अभिशेख सिंह मम्मू हर्षित द्विवेदी नीलम सिंह नेहा ख़ान सुजाता बैरागी सुमन राय आरिफ अफ़रीदी युवा कांग्रेस नेता विक्की पटेल ,ज़ुल्फक़ार,फ़ैज़ ख़ान ,निक्की तिवारी, सुनील सोनी ,विनय रजक, पुरसोत्तम नापित ,कमलेश कोल, विकाश ताम्रकार,बंटी महतो, सूरज महोबिया, गुड्डू राजेश यादव सुमित पांडेय, रोहन यादव, संदीप रावत, विजय पांडेय, इकराम, अमन, हामिद सहित भारी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद थे

खबर संक्षेप

संकल्प से समाधान अभियान के तहत 21160 का किया गया निराकरण

उमरिया। संकल्प से समाधान अभियान के तहत जिले में प्राप्त हुए 29787 आवेदनो में से 21160 आवेदनों का निराकरण किया गया है। जनपद पंचायत करकेली में 8899 आवेदन, पाली जनपद में 6262 आवेदन, मानपुर जनपद में 5245 आवेदन,उमरिया नगर पालिका में 1602 आवेदन, चंदिया नगर परिषद में 2624 आवेदन, पाली नगरपालिका में 2052 आवेदन, नौरोजाबाद नगरपरिषद में 2566 आवेदन एवं मानपुर नगरपरिषद में 537 आवेदन प्राप्त हुए हैं। कलेक्टर ने अभियान के संचालन हेतु गठित दलों का भ्रमण कार्यक्रम निर्धारित कर प्रभावी रूप से घर-घर संपर्क कर आवेदन प्राप्त करने के निर्देश दिए हैं तथा संबंधित निकायों के अधिकारियों को दैनिक रूप से मानीटरिंग करने को कहा। प्राप्त आवेदनों में से जनपद पंचायत करकेली में 4794 आवेदन, पाली जनपद में 4810 आवेदन, मानपुर जनपद में 4270 आवेदन, उमरिया नगरपालिका में 986 आवेदन, चंदिया नगर परिषद में 2624 आवेदन, पाली नगर पालिका में 1463 आवेदन, नौरोजाबाद नगरपरिषद में 1785 आवेदन एवं मानपुर नगरपरिषद में 428 का निराकरण किया जा चुका है।

23 फरवरी को जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक

उमरिया। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी 3 मार्च को होली का त्यौहार मनाया जाना है । जिस संबंध में जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक 23 फरवरी को अपरान्ह 1 बजे से कलेक्ट्रेट सभागार में आहूत की गई है। बैठक में सर्व संबंधितो से उपस्थिति की अपेक्षा की गई है ।

एमपीटॉस पोर्टल पर ऑनलाइन 20 मार्च तक किए जा सकते है आवेदन

उमरिया। सहायक आयुक्त जन जातीय कार्य विभाग डा पूजा व्दिवेदी ने बताया कि अनुसूचित जनजाति प्रतिभा योजना लागू की गई है जिसके अनुसार योजना अंतर्गत पात्रता हेतु अभ्यर्थी के माता, पिता, पालको, स्वयं के समस्त स्त्रोतो से वार्षिक आय रूपये 6 लाख से अधिक नही होनी चाहिए ।
उन्होने बताया कि योजना के तहत जेईई आईआईटी के लिए 50 हजार रूपये, एम्स के लिए 50 हजार, एन डी ए के लिए 50 हजार, क्लेट से एन एल यू के लिए 50 हजार , नीट मेडिकल कालेज शासकीय कालेज के लिए 25 हजार तथा जे ई ई एन आई टी के लिए 25 हजार रूपये की प्रोत्साहन राशि देय होगी । उन्होंने बताया कि अनुसूचित जनजाति प्रतिभा योजना अंतर्गत एम पी टॉस पोर्टल पर आवेदन किए जाने हेतु 20 मार्च तक पोर्टल खोले गए हैं।

हायर सेकेण्डरी की विभिन्न विषयो की परीक्षा संपन्न

उमरिया। जिले मे हायर सेकेण्डरी कि कृषि, गृह विज्ञान, एकाउंटेंसी विषय की परीक्षा 12 परीक्षा केंद्रों में संपन्न हुई। परीक्षा में कुल दर्ज 237 परीक्षार्थियो में से 232 परीक्षार्थियो ने परीक्षा दी, वहीं 5 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। जिला शिक्षा अधिकारी ने परीक्षा केंद्र शासकीय उमावि उत्कृष्ट उमरिया, शासकीय उमावि मुदरिया, शासकीय उमावि बडवाही का निरीक्षण किया। परीक्षा केंद्र में नकल प्रकरण दर्ज नही हुए है। परीक्षा का संचालन मंडल के निर्देशानुसार होना पाया गया। परीक्षा केंद्रो पर पुलिस बल तैनात पाया गया।

सेवानिवृत शिक्षक सीता प्रसाद शर्मा के सुने घर में अज्ञात चोरों ने की चोरी

कोतमा। नगर के वार्ड क्रमांक 5 निवासी सेवानिवृत शिक्षक सीता प्रसाद शर्मा के सुने घर में अज्ञात चोरों ने घर का ताला तोड़कर चोरी कर लिया है। बताया जाता है कि सीता प्रसाद शर्मा बनारस गए हुए हैं शनिवार की सुबह किराएदार ने उन्हें फोन कर सूचना दी की अज्ञात चोरों ने शनिवार के भोर से दोपहर 12:00 बजे के बीच घर का ताला तोड़कर चोरी किया है जिसकी सूचना कोतमा थाने में दी गई है। सूचना मिलते ही डायल 112 के साथ ही पुलिस मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का मुआवजा किया। शिक्षक सीता प्रसाद शर्मा के वापस आने के बाद ही यह पता चल पाएगा कि क्या-क्या सामान चोरी हुआ है।

27 गाइड और चालक निलंबित व अर्थदंड से दंडित

टाइगर रिजर्व में पर्यटन अधिकारी का हंटर

बघिरा ऐप से छेड़छाड़ और रफ्तार का रसूख दिखाने वालों पर गिरी गाज

नियम तोडने वाले गाइड-चालकों में मचा हडक़ंप

उमरिया। विश्व प्रसिद्ध बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व, जो अपनी प्राकृतिक सुंदरता और बाघों के कुनबे के लिए दुनिया भर में मशहूर है, वहां कुछ स्वार्थी तत्वों ने खाकी और कानून को ठेंगा दिखाने की जुर्रत की है। पर्यटकों की वाहवाही और चंद रुपयों की टिप के लालच में गाइडों और ड्राइवरों ने न केवल पार्क के सुरक्षा तंत्र (बघिरा ऐप) को पंगु बनाने की कोशिश की, बल्कि बेगुनाह वन्यजीवों की शांति में भी खलल डाला, लेकिन हरिभूमि द्वारा प्रमुखता से प्रकाशित खबर के बाद पार्क प्रबंधन और कर्तव्यनिष्ठ पर्यटन अधिकारी (ताला) ने वह कड़ा रुख अपनाया है, जिससे पूरे महकमे में हडक़ंप मच गया है।

नियम विरुद्ध कृत्य पर कड़ा प्रहार

पर्यटन अधिकारी (ताला) ने अपनी शक्तियों का प्रयोग करते हुए स्पष्ट कर दिया है कि बांधवगढ़ की मर्यादा से खिलवाड़ करने वाले किसी भी शख्स को बख्शा नहीं जाएगा। अधिकारी ने म.प्र. वन्यप्राणी (संरक्षण) नियम 1974 के कड़े प्रावधानों के तहत तीन अलग-अलग आदेश (क्रमांक 23, 24 और 25) जारी कर दोषियों की कमर तोड़ दी है। पर्यटन अधिकारी की इस त्वरित और निष्पक्ष कार्रवाई की वन्यजीव प्रेमियों ने खुले दिल से प्रशंसा की है। यह कार्रवाई उन लोगों के लिए एक कड़ा संदेश है जो समझते थे कि वे जंगल के भीतर अपनी मनमानी चला सकते हैं।

बघिरा ऐप से छेड़छाड़ करने वाले अंधे हुए

पर्यटन अधिकारी द्वारा जारी आदेश क्रमांक 23 और 24 ने उन गाइडों का असली चेहरा बेनकाब कर दिया है, जिन्होंने सरकारी निगरानी तंत्र बघिरा ऐप के साथ अनधिकृत रूप से छेड़छाड़ की। 15 से 19 फरवरी के बीच हुई इन घटनाओं में गाइडों ने सॉफ्टवेयर को इस तरह बाधित किया कि उनका ट्रैक ही न बन सके। यह एक गंभीर सुरक्षा चूक और डिजिटल चोरी के समान है।

प्रतिबंधित होने वाले गाइड

राजेश कुमार साहू, गजेन्द्र यादव, सत्यकांत शुक्ला, देवराज सिंह, शुभम सिंह, लवकेश कुमार बैगा, शिवशंकर नामदेव, राजकुमार सिंह, अतुल कुमार गुप्ता, राकेश सिंह, अवनीश सिंह राणा, रामदीन बैगा, सुफल सिंह, संत कुमार प्रजापति, राजेश साहू, मनजीत सिंह, मुकेश यादव, रामलखन सिंह और प्रवीण मिश्रा। साथ ही दूसरे आदेश में मुकेश यादव, उमादत्त सिंह, धर्मराज सिंह, रामलखन सिंह, सत्यकांत शुक्ला, श्रीमती अनुसुइया बैगा और शशिधर यादव को भी 22 फरवरी से 28 फरवरी 2026 तक पार्क प्रवेश से पूरी तरह प्रतिबंधित कर दिया गया है।

रफ्तार के सौदागरों पर लगा लगाम

जंगल में बाघ देखने की अंधी दौड़ में चालक और गाइड भूल गए कि वे किसी रेसिंग ट्रैक पर नहीं, बल्कि संवेदनशील वन्यजीव क्षेत्र में हैं। आदेश क्रमांक 25 के अनुसार, 19 फरवरी को वाहन चालकों ने निर्धारित गति सीमा का उल्लंघन किया। इस पर लगाम कसते हुए पर्यटन अधिकारी ने न केवल गाइडों बल्कि वाहन चालकों पर भी 1000-1000 रुपये का अर्थदंड ठोका है। चालक अल्विन डिसूजा, मुकेश शुक्ला (दो बार उल्लंघन) और उनके साथ मौजूद गाइड गोवर्धन विश्वकर्मा, हरी सिंह और गजेन्द्र यादव पर जुर्माना लगाया गया है। अधिकारी ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि 24 घंटे के भीतर जुर्माना नहीं भरा गया, तो इन्हें भी पार्क प्रवेश से प्रतिबंधित कर दिया जाएगा।

पर्यटकों की जान और बाघों की सुरक्षा दांव पर

इन गाइडों और चालकों का दुस्साहस देखिए, सुप्रीम कोर्ट के सख्त निर्देशों के बावजूद ये लोग मोबाइल ऐप से छेड़छाड़ कर प्रतिबंधित रास्तों पर वाहन ले जा रहे थे। जब जीपीएस ट्रैक नहीं बनता, तो ये चालक बाघों को घेरने के लिए किसी भी हद तक चले जाते हैं। यह न केवल बाघों को तनाव में डालता है, बल्कि तेज रफ्तार के कारण किसी भी समय बड़ा हादसा हो सकता है। हरिभूमि ने जब इस मुद्दे को उठाया, तब जाकर इन सफेदपोश अपराधियों पर लगाम लगी है।

पर्यटन अधिकारी की मुस्तैदी को सलाम

पर्यटन अधिकारी (ताला) ने जिस तत्परता से साक्ष्यों का मिलान किया और दोषियों के लचर स्पष्टीकरण को खारिज किया, वह काबिले तारीफ है। उन्होंने अपने आदेश में साफ लिखा है कि यह कृत्य घोर कदाचार की श्रेणी में आता है। अधिकारी की इस सख्ती ने गाइड यूनियन के भीतर छिपे उन चेहरों को बेनकाब कर दिया है जो खुद को नियमों से ऊपर समझते थे।

क्या ब्लैकलिस्ट होंगे ये लोग

फिलहाल तो इन पर एक हफ्ते का प्रतिबंध और जुर्माना लगा है, लेकिन सूत्रों की मानें तो पर्यटन अधिकारी की नजर इन पर बनी हुई है। यदि इनके व्यवहार में सुधार नहीं आया, तो इन्हें हमेशा के लिए बांधवगढ़ से बाहर का रास्ता दिखाया जा सकता है। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व कोई पिकनिक स्पॉट नहीं, बल्कि वन्यजीवों का घर है। पर्यटन अधिकारी की इस ऐतिहासिक कार्रवाई ने यह सुनिश्चित कर दिया है कि यहां सिर्फ और सिर्फ कानून का राज चलेगा। पर्यटन अधिकारी ने बांधवगढ़ को एक बार फिर सुरक्षित बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है।

कांग्रेस ने विरोध प्रदर्शन कर किया पुतला दहन

हरिभूमि न्यूज, राजनगर। जिला कांग्रेस कमेटी अनूपपुर के निर्देश पर कोतमा ब्लॉक कांग्रेस कमेटी द्वारा शुक्रवार को कोतमा विधानसभा क्षेत्र के राजनगर भगत सिंह चौक पर केंद्र की मोदी सरकार द्वारा किए गए अमेरिकी ट्रेड डील व मनरेगा में बदलाव तथा मध्यप्रदेश सरकार के तीन मंत्री राजेंद्र शुक्ला, विजय शाह, कैलाश विजयवर्गीय के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया गया। कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए मंत्रियों के पुतले दहन किए और उन्हें पद से हटाने की मांग की। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि प्रदेश के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय दूषित जल से हुई मौतों के मामले में जवाबदेही से बच रहे हैं। साथ ही नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार पर की गई कथित अपमानजनक टिप्पणी को लेकर भी कड़ा विरोध दर्ज कराया गया। इसी क्रम में मंत्री विजय शाह पर सेना और महिलाओं के संबंध में अभद्र टिप्पणी करने का आरोप लगाते हुए कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नाराजगी व्यक्त की। वहीं मंत्री राजेन्द्र शुक्ल को कफ सिरप से हुई मौतों के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए उनके इस्तीफे की मांग की गई। प्रदर्शन के दौरान ब्लॉक अध्यक्ष राहुल सिंह ने कहा कि प्रदेश में कानून-व्यवस्था और प्रशासनिक जवाबदेही कमजोर होती जा रही है। जनता से जुड़े गंभीर मामलों में सरकार स्पष्ट रुख अपनाने में असफल रही है। कांग्रेस ने चेतावनी दी कि यदि जिम्मेदार मंत्रियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देशानुसार ब्लॉक कांग्रेस कमेटी राजनगर अध्यक्ष राहुल सिंह परिहार के नेतृत्व में राजनगर ब्लॉक के भगत सिंह चौक राजनगर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री मोहन यादव, एवं कैलाश विजयवर्गीय, विजय शाह एवं राजेंद्र शुक्ल पांच मंत्रियों का पुतला जलाकर विरोध प्रदर्शन किया। इस कार्यक्रम में पूर्व ब्लाक अध्यक्ष हरिशंकर दुबे, इंटक महामंत्री जे.पी. श्रीवास्तव, किसान कांग्रेस अध्यक्ष रामनारायण सिंह, नगर परिषद बनगवां उपाध्यक्ष धनंजय सिंह, पूर्व महामंत्री जगदीश पटेल, पूर्व महामंत्री ओम सिंह, अशोक जेठानी, गिरजेश श्रीवास्तव, संतोष यादव , मंडलम अध्यक्ष राजेश श्रीवास्तव, पारस केवट, राजेश श्रीवास्तव, पूर्व सरपंच शारदा मरावी, राघवेंद्र द्विवेदी, गोविंद द्विवेदी, मनोज गौतम, पार्षद संतोष सिंह, पार्षद सिरवन सिंह, पार्षद गोविंद प्रजापति, अजय सिंह, पारसनाथ केवट, मुकेश राजभर, इमरान अंसारी, बंटी अंसारी, इफ्तिखार, राहुल जायसवाल, मनोहर जायसवाल, अश्वनी यादव, आलोक सिंह, विपिन दुबे, जय प्रकाश पांडे, अमित त्रिपाठी, संजय राय, भागीरथी, गोपाल सिंह, अरविंद यादव, आलोक मित्रा, पात्रों, अरविंद राजभर, कौसर, संदीप दीवान, कृष्ण, मकसूद, इकबाल अंसारी, बृजनंदन वर्मा और समस्त कांग्रेस जन उपस्थित थे।

साप्ताहिक समीक्षा बैठक जन सुनवाई के साथ हुआ संपन्न

हरिभुमि न्यूज राजनगर। डूमर कछार निकाय में प्रति सप्ताह संपन्न होने वाले समीक्षा बैठक में शासन द्वारा संचालित नागरिक मूलभूत सुविधाओं को जनसामान्य में सहज उपलब्धता हेतु 21 फरवरी दिन शनिवार को परिषद सभागार में डॉ.सुनील कुमार चौरसिया अध्यक्ष एवं जिला योजना समिति के सदस्य के मुख्यातिथ्य, निर्वाचित जन प्रतिनिधियों सभापति महेश चौहान, जितेंद्र चौहान, रवि सिंह, रंजीत वर्मा, पार्षदगण चंदा देवी महरा, सरिता यादव, पार्वती सिंह, पार्षद प्रतिनिधि योगेश पालीवाल के आतिथ्य में, निकाय के अधिकारियों, कर्मचारियों की उपस्थिति में समीक्षा बैठक एवं जनसुनवायी आयोजित की गयी। बैठक प्रारंभ करने के पूर्व सर्वप्रथम निकाय कर्मचारी दीपक सिंह की माता का प्रातः स्वर्गवास हो जाने के उपरांत 2 मिनट का शोक धारण कर श्रद्धांजलि अर्पित किया गया। सप्ताहिक समीक्षा के दौरान 22 बिंदुओं पर चर्चा की गयी, आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए ताकि जनमानस तक सुविधाएं आसानी से सुगमता पूर्वक पहुंच सके। शासन के कार्यों में तेजी लाने एवं आम नागरिकों तक जन सुविधाए अनिवार्य, आवश्यक रूप से जमीनी स्तर पर पहुँच सके इसके इस शनिवार से समीक्षा बैठक में जनसुनवाई को भी शामिल किया गया है, जनसुनवाई के दौरान मुन्ना, उषा जायसवाल, पूजा पाव एवं अन्य नागरिकों के द्वारा अपनी समस्याएं रखी गयीं, समीक्षा बैठक के दौरान प्रातः 10.30 से दोपहर 12.30 बजे तक जन जनसुनवाई के माध्यम से निकाय और निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के समक्ष समस्याएं सुनी गयी और उसके निराकरण के आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

मौसम ने अचानक बदली करवट तापमान में दर्ज की गई गिरावट

हरिभूमि न्यूज कोतमा। फरवरी के आखिरी सप्ताह के करीब आते-आते गर्मी का अहसास कराने वाले मौसम ने अचानक करवट बदल ली है। शनिवार की सुबह से ही आसमान मे बादल छाए रहे हल्की बूंदाबांदी के साथ ही ठंडी हवाएं चलने लगीं, जिससे तापमान में गिरावट दर्ज की गई और लोगों को एक बार फिर हल्की सर्दी का फील कराया है। सुबह से करीब 29 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से चल रही ठंडी हवाओं ने मौसम को सुहावना बना दिया। जहां बीते दिनों तेज धूप और तपन के कारण दिन का तापमान सामान्य से ज्यादा हो गया था, वहीं अब इस बदलाव से लोगों को राहत मिली है। मौसम विभाग के अनुसार, शनिवार, 21 फरवरी का तापमान $28$30 डिग्री दर्ज किया गया। शनिवार को दिनभर ठंडी हवाओं के कारण मौसम सामान्य बना रहा और सुबह के पारा में ४ डिग्री से अधिक गिरावट दर्ज हुई है। जबकि दिन का पारा में भी गिरावट दर्ज हुई है। शनिवार की सुबह भी तेज हवा चलने के कारण आसमान मे बादल छाए रहे दोपहर 12 बजे के बाद आसमान साफ हुआ और फिर धूप निकली जिसके कारण तापमान में ठंडक बनी रही शाम को भी लोग घरों से गर्म कपड़े पहनकर बाहर निकले। एक बार फिर से लोगों को मौसम ने ठंड की फीलिंग करवा दी। तेज धूप और गर्मी के कारण लोग गर्मी के कपड़े पहनने लगे थे, लेकिन तापमान में आई गिरावट के कारण कई लोगों ने एक बार फिर हल्के गर्म कपड़े निकाल लिए। खासकर सुबह और शाम के समय ठंडी हवाओं के कारण सर्दी का अहसास हो रहा है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक कम दबाव का क्षेत्र विकसित होने की वजह से बारिश होने की संभावना जताई है। अगले कुछ दिनों तक मौसम में उतार-चढ़ाव जारी रह सकता है, लेकिन एक-दो दिन में फिर से तापमान बढऩे की संभावना है। मौसम में आए इस बदलाव से किसानों को भी राहत मिली है। तेज गर्मी के कारण गेहूं और अन्य रबी फसलों को नुकसान होने की आशंका थी, लेकिन ठंडी हवाओं से अब फसलों को कुछ राहत मिलेगी। किसानों का कहना है कि अगर अगले कुछ दिन तक ऐसा ही मौसम रहा तो फसलों की बढ़त के लिए यह फायदेमंद रहेगा। मौसम विभाग लोगों को सलाह दे रहा है कि वे अचानक मौसम में बदलाव को देखते हुए खुद को अनुकूलित करें और जरूरत पडऩे पर हल्के गर्म कपड़े पहनें। जिससे स्वास्थ्य पर भी असर देखने मिल सकता है।

कल्दा हाई स्कूल में किशोर किशोरियों का परामर्श सत्र संपन्न

उमरिया। कल्दा हाई स्कूल में किशोरियों के मानसिक स्वास्थ्य को संज्ञान में देखते हुए गत दिवस किशोर स्वास्थ्य परामर्शदाता कुमारी वर्षा त्रिपाठी जिला चिकित्सालय उमरिया एवं पवन कुमार मेहरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पाली द्वारा कल्दा ग्राम में भ्रमण किया गया एवं स्कूल में जाकर किशोर किशोरियो से परामर्श सत्र का आयोजन किया गया साथ ही ग्रह भेंट कर परामर्श दिया गया ।अभिभावकों से मिलकर चर्चा किया एवं पाली में एडमिट किशोरियों का फॉलोअप लिया गया जिसमें चर्चा के दौरान वे स्वस्थ पाए गए हैं।

खबर संक्षेप

श्रीरुद्र महायज्ञ व शिव महा पुराण कथा का आयोजन

उमरियापान। उमरियापान के समीप स्थित बरौदा बिछिया ग्राम में श्रीरुद्र महायज्ञ, श्री शिव महापुराण कथा एवं अखण्ड संकीर्तन का आयोजन श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ किया जा रहा है। महायज्ञ को लेकर पूरे क्षेत्र में आध्यात्मिक वातावरण निर्मित हो गया है। प्रतिदिन प्रातःकाल से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु यज्ञ स्थल पर पहुंचकर यज्ञवेदी की परिक्रमा कर पुण्य लाभ अर्जित कर रहे हैं। पूरा परिसर वेद मंत्रों की गूंज और भक्ति रस से सराबोर है।यज्ञाचार्य पंडित प्रमोद परौहा द्वारा विधि-विधानपूर्वक वैदिक मंत्रोच्चार के साथ यज्ञ संपन्न कराया जा रहा है। वहीं कथा वाचक लखन कृष्ण जी महाराज श्रद्धालुओं को शिव महापुराण की अमृतमयी कथा श्रवण करा रहे हैं, जिससे श्रोतागण भावविभोर हो रहे हैं। महायज्ञ के दौरान भजन-कीर्तन का क्रम भी निरंतर जारी है, जिससे वातावरण और अधिक भक्तिमय बन गया है। आयोजकों ने अधिक से अधिक श्रद्धालुओं से कार्यक्रम में शामिल होकर धर्मलाभ लेने कहा है।

लापरवाही बरतने पर पटवारी निलंबित

कटनी। फार्मर आईडी निर्माण कार्य में लापरवाही बरतने के आरोप में एसडीएम बहोरीबंद राकेश कुमार चौरसिया ने पटवारी हल्का क्रमांक 35 सैलारपुर, तहसील स्लीमनाबाद के पटवारी सुशील परते को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। पटवारी श्री परते को कृषकों की फार्मर आईडी बनवाने हेतु प्रेरित करने तथा आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए थे। इसके बावजूद उनके द्वारा अपेक्षित रुचि नहीं ली गई। इस पर कारण बताओ नोटिस जारी कर निर्धारित समय-सीमा में स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने को कहा गया था।

नगर में गूंजेगा जयकारा आज

होगा मुनि श्री प्रमाण सागर जी का भव्य मंगल प्रवेश

बुढार। नगर के इतिहास में एक और स्वर्णिम अध्याय जुड़ने जा रहा है। 35 प्रभु जी के आगमन के बाद, अब नगरवासी अपने आराध्य गुरुदेव की आगवानी के लिए पलक पांवड़े बिछाए तैयार हैं। आगामी 25 फरवरी से 2 मार्च तक आयोजित होने वाले 'श्री मज्जिनेंद्र पंच कल्याणक महोत्सव 2026' को सविधि संपन्न कराने हेतु प्रखर वक्ता और भावना योग प्रवर्तक मुनि श्री 108 प्रमाण सागर जी महाराज का मंगल प्रवेश 22 फरवरी को होने जा रहा है।

आगवानी का कार्यक्रम और मार्ग

जैन समाज के लोगों ने बताया कि मुनि श्री का 21 फरवरी की रात्रि विश्राम करकटी ग्राम में होगा। इसके पश्चातःरविवार 22 फरवरी की प्रातः 8 बजे प्रारंभः कॉलेज तिराहा, श्री

वासुपूज्य जैन मंदिर में जुलूस मार्गः कॉलेज तिराहा से शुरू होकर नगर के प्रमुख मार्गों से होता हुआ जुलूस गुजरेगा।

समापनः रेलवे स्टेशन के निकट नवीन जैन मंदिर परिसर में आगवानी जुलूस का भव्य समापन होगा।

तैयारियों में जुटा पूरा नगर

पूज्य गुरुदेव (आचार्य श्री विद्यासागर जी के परम शिष्य) की आगवानी के लिए बुढार को दुल्हन की तरह सजाया जा रहा है। इस भव्य आयोजन को सफल बनाने के लिए विभिन्न मंडल दिन-रात जुटे हुए हैं। श्री विद्या सागर युवा संगठन एवं महिला मंडल त्रिशला मंडल एवं जागृति मंडल स्तुति मंडल एवं आचार्य शांति सागर पाठशाला मंडल जैन समाज के साथ-साथ विभिन्न सामाजिक संगठनों ने भी स्वागत की विशेष रूपरेखा तैयार की है। समाज के प्रबुद्ध जनों ने नगर के सभी वर्गों से अपील की है कि वे इस पावन अवसर पर उपस्थित होकर गुरुदेव का आशीर्वाद प्राप्त करें और धर्म लाभ लें।

विशेष आकर्षणः मुनि श्री प्रमाण सागर जी न केवल जैन समाज बल्कि पूरे राष्ट्र के गौरव हैं। उनके 'गुणायतन' और 'भावना योग' के विचारों से लाभान्वित होने के लिए पूरा कोयलांचल क्षेत्र उत्सुक है।

विश्व सामाजिक न्याय दिवसः धनपुरी नगर पालिका में विधिक जागरूकता शिविर आयोजित

बुढार। शहडोल जिले के धनपुरी नगरपालिका सभागार में 20 फरवरी को विधिक साक्षरता के माध्यम से सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण शिविर का आयोजन किया गया।विश्व सामाजिक न्याय दिवस (20 फरवरी) के अवसर पर धनपुरी में इस तरह का सार्थक आयोजन किया गया। विधिक साक्षरता ही वह माध्यम है जिससे समाज के अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक न्याय की पहुंच सुनिश्चित की जा सकती है।

कार्यक्रम के मार्गदर्शनः माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश काशीनाथ सिंह (अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, शहडोल)।अध्यक्षताः सुशील कुमार अग्रवाल (जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष, तहसील विधिक सेवा समिति, बुढार) न्यायिक अधिकारी श्रीमती आकांक्षा तेकाम एवं ऋषव दीक्षित (व्यवहार न्यायाधीश, बुढार) रहें।विधिक जानकारीः उपस्थित पुलिस और नगरपालिका कर्मियों को संविधान के मूल अधिकार एवं कर्तव्यों के बारे में विस्तार से बताया गया।

विशेष कानूनः पॉक्सो एक्ट (POCSO Act), विधिक सहायता योजनाओं और कानूनी प्रक्रियाओं की जटिलताओं को कम करने पर चर्चा हुई।

लक्ष्यः कानूनी प्रक्रिया में सुलभता लाकर पक्षकारों को शीघ्र न्याय दिलाना।

प्रतिभागी

इस कार्यक्रम में पुलिस थाना बुढ़ार नगर निरीक्षक विनय सिंह गहरवार व धनपुरी टीआई खेम सिंह पेंद्रे एवं अनुविभाग के समस्त पुलिस अधिकारी/कर्मचारी, शासकीय अधिवक्ता आलोक राय व अशोक सिसोदिया एवं कई पक्षकार उपस्थित रहे। आभार धनपुरी थाना प्रभारी खेम सिंह पेंद्रे ने व्यक्त किया।

लाखों खर्च के बाद भी जर्जर हैं ओरिएंट पेपर मिल्स के कर्मचारी क्वार्टर, बरसात में घरों में घुसता है पानी

अमलाई। क्षेत्र की प्रमुख औद्योगिक इकाई ओरिएंट पेपर मिल्स के कर्मचारियों के लिए बनाए गए क्वार्टर इन दिनों बेहद जर्जर अवस्था में हैं। लगभग 50 वर्ष पूर्व निर्मित इन आवासों में समय-समय पर मरम्मत कार्य पर लाखों रुपये खर्च किए जाने के बावजूद स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं हो पाया है।दीवारों का प्लास्टर जगह-जगह से उखड़ चुका है, गहरी दरारें साफ दिखाई दे रही हैं और कई स्थानों पर ईंटें बाहर झांक रही हैं। हालत केवल एक-दो मकानों की नहीं, बल्कि अधिकांश क्वार्टरों की स्थिति ऐसी ही बताई जा रही है। कर्मचारियों का कहना है कि अब इन भवनों की मूल संरचना इतनी कमजोर हो चुकी है कि उनमें मजबूती शेष नहीं बची है।बरसात के मौसम में समस्या और विकराल रूप ले लेती है। छतों और दीवारों से पानी रिसकर सीधे कमरों के अंदर पहुंच जाता है, जिससे घरेलू सामान खराब हो जाता है और परिवारों को असुविधा के साथ-साथ असुरक्षा का भी सामना करना पड़ता है। लगातार सीलन और पानी के रिसाव से भवनों की हालत और बिगड़ती जा रही है। निवासियों का कहना है कि केवल मरम्मत और पैबंद लगाने से अब स्थायी समाधान संभव नहीं है। भवनों की आयु पूरी हो चुकी है और व्यापक स्तर पर पुनर्निर्माण की आवश्यकता है। कर्मचारियों और उनके परिवारों में हर समय दुर्घटना की आशंका बनी रहती है।

छात्र की मौत पर अभाविप ने किया प्रदर्शन, दोषियों पर कार्यवाही की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ विजयराघवगढ़

कैमोर थाना के बम्हनगवां में पांचवी कक्षा के छात्र की स्कूल परिसर में बाउंड्री वॉल गिरने से मौत को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद विजयराघवगढ़ द्वारा धरना प्रदर्शन किया एवं दोषी अधिकारियों पर कार्यवाही की मांग की।

अभाविप के पदाधिकारीयों सहित छात्र-छात्राओं द्वारा किए गए चका जाम को लेकर पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी। इस दौरान दोनों और बाहनों की लंबी कतारे लग गई थी, जाम खुलवाने को लेकर पुलिस और अभाविप पदाधिकारियों के साथ कहा सुनी हुई हालांकि पुलिस द्वारा छात्र-छात्राओं को समझाइस देते हुए चक्का जाम खुलवाया गया।

परिषद के जिला संयोजक तरुण पांडे ने जानकारी देते हुए बताया कि विजयराघवगढ़ जनपद शिक्षा केंद्र के अंतर्गत बम्महनगवां शासकीय स्कूल में बाउंड्री बाल गिरने से छात्र राजकुमार बर्मन की मौत हो गई थी उसके परिजनों को उचित मुआवजा प्रदान करने के लिए हमने मांग रखी थी वहीं इस हृदय विदारक घटना की वरिष्ठ अधिकारियों से जांच करते हुए विद्यालय में पदस्थ शिक्षकों के खिलाफ उचित कार्यवाही की जाए कटनी जिले के सभी शैक्षणिक संस्थान जो पूरी तरह से जर्जर हो चुके हैं उनकी जांच करते हुए तुरंत मरम्मत कराई जाए आदि विभिन्न मांगों को लेकर एसडीएम विवेक गुप्ता को ज्ञापन सौपा गया। इस दौरान अनुज परिहार नगर मंत्री कैमोर तरुण पांडे जिला संयोजक पुनीत तिवारी विगढ़ मंत्री सुब्रत जैन प्रांत मंत्री सीमांक दुबे विभाग संगठन मंत्री ऋषभ त्रिपाठी जिला संयोजक संजय कुशवाहा नगर मंत्री अभिषेक सेन सिद्धू चौधरी एवं छात्र छात्राएं मौजूद थे।

मुर्गी पालन किसानों के लिए आय और स्थायी रोजगार का एक उत्तम साधन

उमरिया। कृषि विज्ञान केंद्र, उमरिया के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ के पी तिवारी के मार्गदर्शन में कार्यालय के सस्य वैज्ञानिक डा धनंजय सिंह, गृह वैज्ञानिक डा विनीता सिंह एवं कार्यक्रम सहायक कुंदन मुवेल द्वारा करकेली विकासखंड के पठारी कला ग्राम में आई सी ए आर-निशाद, भोपाल द्वारा वित्तपोषित मुर्गी पालन विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। डॉ.के.पी.तिवारी द्वारा बताया गया कि आज के समय में किसानों का ध्यान केवल परंपरागत खेती तक सीमित नहीं रह गया है। बदलते बाजार, बढ़ती मांग और रोजगार के नए अवसरों के कारण किसान अब विविध व्यवसायों की ओर कदम बढ़ा रहे हैं। इन्हीं में से एक है पोल्ट्री फार्मिंग यानी मुर्गी पालन। यह एक ऐसा क्षेत्र है जहां कम पूंजी में व्यवसाय शुरू किया जा सकता है और लगातार आय प्राप्त की जा सकती है। साथ ही मुर्गी के चूजों को रहने के लिए मुर्गी गृह बनाने के तरीके का विस्तार से चर्चा किया गया। मुर्गियों के अंडो से इन्क्यूबेटर के माध्यम से बच्चे कैसे निकले जाते हैं का सविस्तार समझाइश दी गई । केंद्र के वैज्ञानिक डा धनंजय सिंह द्वारा बताया गया कि बदलते मौसम में खेती में अधिक बारिस एवं सूखा पडने पर खेती में होने वाले नुकसान की भरपाई खेती के साथ साथ मुर्गी पालन, बकरी पालन एवं कृषि के अन्य आयामों को अपनाने से की जा सकती है। डा विनीता सिंह ने बताया कि मुर्गियों के स्वास्थ्य और तेज़ विकास के लिए सही फीड बेहद आवश्यक है। चूजों को पहले 15 दिन तक बारीक दलिया (स्टार्टर फीड) दें। उम्र के अनुसार स्टार्टर, ग्रोअर और फिनिशर फीड अवश्य बदलें। फीड में विटामिन, मिनरल्स और प्रोटीन की संतुलित मात्रा होनी चाहिए। संभव हो तो किसान अपने खेत की सामग्री (मक्का, चना, बाजरा आदि) का उपयोग करके फीड तैयार कर सकते हैं। इससे लागत काफी कम हो जाती है। श्री कुंदन मुवल द्वारा बताया गया कि पोल्ट्री फार्मिंग में शुरुआती 15 से 20 दिन चूजों के लिए सबसे संवेदनशील समय होता है। फार्म में डिसइंफेक्शन (कीटाणु-नाशन) का प्रयोग करें करें। हवा, नमी और रोशनी का संतुलन रखें ताकि चूजों का विकास सही तरीके से हो सके। श्री सुरेंद्र रैदास द्वारा मुर्गी पालन में साकार द्वारा संचालित योजनाएं एवं सब्सिडी के बारे में सविस्तार से बताया गया। जनपद पंचयत सदस्य संत राम सिंह द्वारा अपने उद्बोधन में बताया गया कि इस क्षेत्र को आकाशकोट के नाम से जाना जाता है इसमें कुल 22 गांव आते हैं तथा पठारी कला को इसकी राजधानी के रूप में जाना जाता है। इस क्षेत्र में कृषि विज्ञान केंद्र, उमरिया द्वारा कृषि के क्षेत्र में किये जा रहे प्रयास प्रसंशनीय एवं सराहनीय है। प्रशिक्षण में कुल 101 किसान प्रतिभागियों ने भाग लिए। प्रशिक्षण में पठारी कला ग्राम सरपंच गोविन्द सिंह,जनपद पंचयत सदस्य संत राम सिंह, कृषि विभाग के उपसंचालक संग्राम सिंह मरावी एवं पशुपालन एवं पशु चिकित्सा विभाग से डा सुरेंद्र रैदास अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

10 दिवसीय पंचकल्याणक महोत्सव की शुरुआत

बुढ़ार। शहडोल संभाग के लिए आज का दिन ऐतिहासिक और सौभाग्यपूर्ण माना जा रहा है। पूज्य राष्ट्रीय संत, प्रखर वक्ता एवं गुणायतन प्रणेता मुनि श्री 108 प्रमाण सागर जी ससंघ का मंगल प्रवेश आज प्रातः बुढ़ार नगर में होने जा रहा है। वे संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य हैं। उनके आगमन को लेकर पूरे नगर में उत्साह और भक्ति का वातावरण व्याप्त है।

प्रातः 8:30 बजे कॉलेज तिराहा स्थित श्री वासुपूज्य जिनालय से भव्य अगवानी जुलूस प्रारंभ होगा, जो नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए रेलवे स्टेशन के समीप स्थित नवीन जिनालय एवं पंचकल्याणक स्थल श्री शांतिनाथ जिनालय रेस्ट हाउस परिसर तक पहुंचेगा। मार्ग में जगह-जगह रंगोली, तोरण द्वार एवं पुष्प वर्षा से संत का स्वागत किया जाएगा। जैन समाज, श्री विद्यासागर युवासंगठन, महिला मंडल, त्रिशला मंडल, जागृति मंडल, स्तुति मंडल, आचार्य शांति सागर पाठशाला मंडल सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा विशेष तैयारियां की गई हैं।

मुनि संघ के प्रवक्ता अविनाश जैन विद्यावाणी एवं स्थानीय प्रचार मंत्री गौरव जैन ने बताया कि मुनि संघ का रात्रि विश्राम पूर्व में नौगंवा क्षेत्र में रहा और आज से बुढ़ार में उनका प्रवास प्रारंभ होगा। लगभग 10 दिनों तक उनका सान्निध्य नगरवासियों को प्राप्त होगा, जो शहडोल संभाग के लिए अत्यंत गौरव का विषय है। उल्लेखनीय है कि आगामी 25 फरवरी से 2 मार्च 2026 तक श्री शांतिनाथ जिनालय परिसर में भव्य श्री मज्जिनेन्द्र पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इस महोत्सव के अंतर्गत 16वें तीर्थंकर श्री शांतिनाथ प्रभु सहित कुल 35 जिन प्रतिमाओं की प्राण प्रतिष्ठा संपन्न होगी। 18 फरवरी को इन 35 प्रतिमाओं का नगर में भव्य आगमन हुआ था, जब सुसज्जित रथों में विराजित प्रतिमाओं की ऐतिहासिक शोभायात्रा निकाली गई। पूरे नगर को दुल्हन की तरह सजाया गया था और घर-घर आरती, पुष्प वर्षा तथा प्रसाद वितरण के साथ स्वागत किया गया।

नगर के इतिहास में पहली बार एक साथ 35 जिन प्रतिमाओं की शोभायात्रा निकाली गई, जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु उमड़े। यह आयोजन न केवल बुढ़ार, बल्कि पूरे शहडोल संभाग के लिए आध्यात्मिक जागरण का अवसर माना जा रहा है। महोत्सव के दौरान प्रमुख पात्रों का चयन, धार्मिक विधान, मंगल प्रवचन एवं विभिन्न सांस्कृतिक-आध्यात्मिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। बाल ब्रह्मचारी अशोक भैया एवं अभय भैया के मार्गदर्शन में संपूर्ण आयोजन संपन्न कराया जाएगा।

श्री सकल दिगंबर जैन समाज बुढ़ार-धनपुरी एवं महासभा न्यास बुढ़ार के पदाधिकारियों ने सभी धर्मप्रेमी बंधुओं से प्रातः मंगल अगवानी में उपस्थित होकर संत सान्निध्य का लाभ लेने की अपील की है।

राष्ट्रीय संत मुनि श्री प्रमाणसागर महाराज का यह आगमन शहडोल संभाग के लिए एक ऐतिहासिक आध्यात्मिक पर्व के रूप में देखा जा रहा है, जो आने वाले दिनों तक श्रद्धा, भक्ति और सांस्कृतिक ऊर्जा से क्षेत्र को आलोकित करेगा।

किसानों को नरवाई प्रबंधन एवं मृदा स्वास्थ्य पर दिया गया विस्तृत प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

कृषि अभियांत्रिकी विभाग कटनी द्वारा विकासखण्ड कटनी के ग्राम बंडा एवं बिछिया में कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण में किसानों को नरवाई प्रबंधन एवं मृदा स्वास्थ्य संरक्षण के विषय में विस्तृत जानकारी दी गई।

कार्यक्रम में बताया गया कि नरवाई जलाने से मिट्टी की गुणवत्ता में कमी आती है, सूक्ष्म जीव नष्ट होते हैं, वायु प्रदूषण बढ़ता है तथा पशु चारे का नुकसान होता है। किसानों को समझाइश दी गई कि नरवाई जलाने के बजाय उसका वैज्ञानिक प्रबंधन अपनाया जाए।

प्रशिक्षण में आधुनिक कृषि यंत्रों की उपयोगिता पर भी प्रकाश डाला गया। किसानों को हैप्पी सीडर, सुपर सीडर, स्ट्रॉ रीपर एवं पूसा डीकंपोजर के बारे में जानकारी दी गई। बताया गया कि हैप्पी सीडर मशीन पिछली फसल के अवशेषों के बीच ही अगली फसल की बुवाई कर देती है, जिससे जुताई का खर्च और समय दोनों की बचत होती है। इसकी अनुमानित कीमत 1.50 से 1.80 लाख रुपये है तथा अधिकतम 85 हजार रुपये तक अनुदान उपलब्ध है।सुपर सीडर एक ही बार में नरवाई को काटकर मिट्टी में मिला देता है और साथ ही बुवाई भी कर देता है। इसकी कीमत लगभग 2.50 से 2.80 लाख रुपये है, जिस पर अधिकतम 1.20 लाख रुपये तक अनुदान दिया जाता है। किसानों को अधिक से अधिक हैप्पी सीडर एवं सुपर सीडर अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।इसी प्रकार स्ट्रॉ रीपर फसल अवशेषों को काटकर भूसे में बदल देता है, जिसका उपयोग पशु आहार के रूप में किया जा सकता है। वहीं पूसा डीकंपोजर कैप्सूल/एंजाइम घोल के रूप में उपलब्ध है, जो नरवाई को 20–25 दिनों में खाद में परिवर्तित कर देता है। मल्चिंग तकनीक के माध्यम से अवशेषों को मिट्टी की सतह पर छोड़ देने से वाष्पीकरण कम होता है और भूमि में नमी बनी रहती है।

रामनरेश गुप्ता का निधन

ब्योहारी। ब्योहारी न्यू मार्केट वार्ड 3 निवासी व प्रतिष्ठित व्यापारी एवं केसरवानी समाज सेवी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सक्रिय सदस्य एवं सरस्वती शिशु मंदिर के पूर्व व्यवस्थापक श्री रामनरेश गुप्ता 85 वर्ष के लगभग का आकस्मिक निधन हो गया है। आप शैलेन्द्र गुप्ता व दीनदयाल गुप्ता के पिता जी थे। आपके निधन से पूरा नगर शोक डूब गया और लोगों के द्वारा उनके निवास स्थान पहुंच श्रद्धांजलि अर्पित की। आपका अन्तिम संस्कार शनिवार को बी एस एन एल आफिस के पीछे शासकीय मुक्ति धाम में हुआ।

निर्वाचक नामावली विशेष गहन पुनरीक्षण का किया गया अंतिम प्रकाशन

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी की अध्यक्षता में बैठक संपन्न

उमरिया। अर्हता तिथि 1 जनवरी 2026 के मान से निर्वाचक नामावली विशेष गहन पुनरीक्षण 2026, निर्वाचक नामावली का अंतिम प्रकाशन 21 फरवरी को किया गया । जिसके संबंध में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी धरणेन्द्र कुमार जैन की अध्यक्षता में मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के साथ कलेक्टर सभागार में बैठक संपन्न हुई । बैठक मे बताया गया कि 89 बांधवगढ़ में 302 तथा 90 मानपुर में 341 कुल 643 मतदान केंद्र है । उन्होने बताया कि 23 दिसंबर 2025 तक कुल मतदाताओ की संख्या 458493 थी, जिसमें 89 बांधवगढ में मतदाताओं की संख्या 218611 एवं 90 मानपुर में 239882 शामिल है । अंतिम प्रकाशन में कुल मतदाताओ की संख्या 466863 है जिसमें 89 बांधवगढ में मतदाताओ की संख्या 222140 तथा 90 मानपुर में मतदाताओ की संख्या 244723 है । एसआईआर के दौरान फार्म 6, फार्म -7, फार्म -8 प्राप्त होने कि संख्या 17405 है जिसमें से 15901 पात्र पाए गए तथा अपात्रो फार्मो की संख्या 1504 है । उन्होने बताया कि सर्विस वोटरो की संख्या 212 है जिसमें 89 बांधवगढ में 126 तथा 90 मानपुर में 86 सर्विस वोटर शामिल हैं। पीडब्ल्यूडी वोटरो की संख्या 3557 है जिसमें 89 बांधवगढ में 1480 तथा 90 मानपुर में 2077 शामिल है । सिनियर सिटीजन की संख्या 2499 है जिसमें 89 बांधवगढ में 1201 तथा 90 मानपुर में 1298 शामिल है । बैठक में बताया गया कि जिले के समस्त मतदान केन्द्रो में भी अंतिम निर्वाचक नामावली का प्रकाशन करते हुए चस्पा किया गया है। बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी रीता डेहरिया,मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलो से धनुषधारी सिंह, इंजी. विजय कोल, प्रदीप रजक, शिशु पाल यादव, मिथिलेश राय, नीरज यादव, निर्वाचन कार्यालय से निर्वाचन सुपरवाईजर हरिशंकर झारिया, दिलीप श्रीवास, गणेश सोनी उपस्थित रहे ।

खबर संक्षेप

परीक्षा केंद्र में सामूहिक नकल का आरोप, जांच की मांग

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। अनूपपुर जिले के अंतर्गत स्थित शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, लतार को बनाए गए परीक्षा केंद्र में सामूहिक नकल कराए जाने का गंभीर आरोप सामने आया है। इस संबंध में ग्राम लतार निवासी सोमेश्वर नारायण पाठक ने लिखित शिकायत प्रस्तुत कर प्रशासन से निष्पक्ष जांच की मांग की है। शिकायत के अनुसार 20 फरवरी को आयोजित परीक्षा के दौरान परीक्षा कक्ष में खुलेआम नकल कराए जाने की बात कही गई है। आरोप है कि कुछ विद्यार्थियों को उत्तर पुस्तिका में उत्तर लिखने में विशेष सहायता दी गई, जबकि अन्य विद्यार्थियों को निर्धारित नियमों का पालन करने के लिए बाध्य किया गया। शिकायतकर्ता ने यह भी उल्लेख किया है कि परीक्षा कक्ष में निरीक्षण व्यवस्था प्रभावी नहीं थी और नियमों की अनदेखी की गई। शिकायत में यह भी कहा गया है कि यदि मामले की निष्पक्ष जांच की जाए तो संबंधित जिम्मेदार अधिकारियों एवं कर्मचारियों की भूमिका स्पष्ट हो सकती है। उन्होंने मांग की है कि परीक्षा केंद्र की व्यवस्थाओं की समीक्षा कर दोषी पाए जाने वालों के विरुद्ध आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। इस संबंध में जब संबंधित अधिकारियों से संपर्क करने का प्रयास किया गया तो उनका पक्ष प्राप्त नहीं हो सका। प्रशासन द्वारा मामले की जांच कराए जाने के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी।

फोटो निर्वाचक नामावली का हुआ अंतिम प्रकाशन

अनूपपुर। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा संचालित फोटो निर्वाचक नामावली के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2026 कार्यक्रम के तहत शनिवार को जिले की मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन कर दिया गया है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी हर्षल पंचोली ने जानकारी देते हुए बताया कि निर्धारित कार्यक्रमानुसार जिले के सभी मतदान केंद्रों पर संशोधित मतदाता सूची उपलब्ध करा दी गई है। जिले के तीनों विधानसभा क्षेत्रों विधानसभा क्षेत्र 86 कोतमा, विधानसभा क्षेत्र 87 अनूपपुर एवं विधानसभा क्षेत्र 88 पुष्पराजगढ़ के कुल 735 मतदान केंद्रों पर विधानसभा स्तर पर मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया गया है। प्रकाशित मतदाता सूची के अनुसार जिले में कुल 5 लाख 5 हजार 259 मतदाता पंजीकृत हैं। इनमें 2 लाख 55 हजार 878 पुरुष मतदाता, 2 लाख 49 हजार 375 महिला मतदाता तथा 6 ट्रांसजेंडर मतदाता शामिल हैं। 18 से 19 वर्ष आयु वर्ग के 6 हजार 684 युवा मतदाताओं का नाम भी सूची में दर्ज है, जो युवाओं की बढ़ती भागीदारी को दर्शाता है। विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत प्रारंभिक प्रकाशन के बाद दावा एवं आपत्ति अवधि में नए नाम जोड़ने, नाम विलोपन तथा संशोधन संबंधी आवेदन प्राप्त किए गए थे। बूथ स्तर अधिकारियों द्वारा घर-घर सत्यापन एवं विशेष अभियान दिवसों के माध्यम से आवेदनों का संकलन किया गया। प्राप्त दावों एवं आपत्तियों के निराकरण उपरांत अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित की गई है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने नागरिकों से अपील की है कि वे अपने-अपने मतदान केंद्रों पर उपलब्ध मतदाता सूची का अवलोकन कर सकते हैं।

एजुकेशन मैनेजमेंट सिस्टम से प्रवेश पत्र, परिणाम और अंक सूची होगी तैयार

कटनी। स्कूल शिक्षा विभाग ने परीक्षा प्रबंधन व्यवस्था को अधिक पारदर्शी एवं व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण पहल की है। विभाग ने एजुकेशन मैनेजमेंट सिस्टम (इएमएस) पोर्टल विकसित किया है। इस पोर्टल के माध्यम से कक्षा 9वीं एवं 11वीं के विद्यार्थियों की वार्षिक परीक्षा के लिए प्रवेश पत्र, परिणाम और अंक सूची तैयार की जाएगी।

पुष्पराजगढ़ का प्यास से कराहता दादर सिलवारी गांव

पोस्टर में मुस्कुराता विकास

जनप्रतिनिधि बोले-सब्र रखो अगला चुनाव आएगा

पुष्पराजगढ़ के ग्राम दादर सिलवारी में विकास वैसा ही है, जैसा सरकारी फाइलों में होता है कागज़ी, चमकदार और ज़मीनी हकीकत से कोसों दूर...। आज़ादी के दशकों बाद भी यहाँ के लोग पानी, सड़क, इलाज और शिक्षा के लिए वैसे ही तरस रहे हैं जैसे रेगिस्तान में प्यासा मुसाफ़िर मृग मरीचिका को निहारता है। प्रशासन मौन है, जनप्रतिनिधि व्यस्त हैं और गांव इंतज़ार में बूढ़ा हो चला है।

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

विकास की गाड़ी जब राजधानी से चलती है तो बड़े शहरों में एसी में बैठी मुस्कानें उतरती हैं, लेकिन दादर सिलवारी आते-आते उसके पहिए जैसे जाम हो जाते हैं। यहाँ नल नहीं, नल के वादे हैं... सड़क नहीं, शिलान्यास की यादें हैं। कहावत है कि "जिसके हाथ में लाठी, उसकी भैंस" और यहाँ लाठी सत्ता के हाथ में है, भैंस विकास की, जो गांव की चौखट तक आने से पहले ही बंधक बन जाती है। प्रशासन के लिए यह गांव शायद नक्शे की गलती है, और जनप्रतिनिधियों के लिए चुनावी भाषण की एक पंक्ति है। "सबका साथ, सबका विकास" यहाँ सुनने में तो अच्छा लगता है, पर ज़मीन पर यह जुमला उतना ही खोखला है जितना सूखा कुआँ...। दादर सिलवारी आज भी सवाल पूछ रहा है कि क्या संविधान सिर्फ़ शहरों के लिए लिखा गया था? या गांवों के हिस्से में सिर्फ़ आश्वासन और प्रतीक्षा आई है?

पगडंडी ही सड़क, प्यास ही पहचान

गांव तक पहुंचने का रास्ता ऐसा है कि अगर एम्बुलेंस आ जाए भगवान भरोसे ही...। बारिश में कीचड़, गर्मी में धूल और हर मौसम में खतरा यही दादर सिलवारी की सड़क है। पानी के नाम पर दूर-दूर की झिरियाएं हैं, जहाँ महिलाएं और बच्चे रोज़ अपने हिस्से का जीवन ढोते हैं। "पानी सर से गुजर जाए तब प्रशासन जागता है" यह कहावत यहाँ रोज़ सच साबित होती है।

इलाज दूर, भरोसा और दूर

बीमारी यहाँ पहले डराती है, फिर मारती है। न उप स्वास्थ्य केंद्र, न नियमित स्वास्थ्य कर्मी। आपात स्थिति में मरीज़ को कंधे पर ढोकर ले जाना पड़ता है। "देर आए दुरुस्त आए" की नीति पर चलने वाला सिस्टम कई बार देर से आता है और दुरुस्त तो बिल्कुल नहीं होता। यहाँ स्वास्थ्य सुविधा नहीं, सिर्फ़ भगवान का नाम है।

शिक्षा का रास्ता भी गड्ढों से भरा

बच्चे स्कूल कम, संघर्ष ज़्यादा देखते हैं। रास्ता कठिन, साधन शून्य और भविष्य धुंधला। बैगा परिवारों के बच्चों के लिए पढ़ाई सपना बन चुकी है। "जिसके पास दिया नहीं, वह उजाला कहाँ से पाए" यह सवाल हर बच्चे की आँखों में तैरता है। लेकिन ये "राष्ट्रपति के दत्तक पुत्र" कहे जाने वाली बाते महज बाते तक ही सीमित है जो सड़क चौराहे में इस बात को "अच्छा मजाक" कहते है।

विकास के दावे और हकीकत की खाई

फाइलों में दादर सिलवारी आदर्श गांव होगा, लेकिन ज़मीन पर यह उपेक्षा का स्मारक है। संविधान का अनुच्छेद 21 जीवन का अधिकार देता है, पर यहाँ जीवन खुद अधिकार मांग रहा है। "ऊँट के मुँह में जीरा" जैसी योजनाएं आती हैं और तस्वीरों में खत्म हो जाती हैं। यह गांव विकास नहीं, विकास की प्रतीक्षा कर रहा है।

इस तस्वीर पर सवाल

प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से सवाल तो बनता है कि पुष्पराजगढ़ के इस गांव में क्या विकास सिर्फ़ भाषणों तक सीमित रहेगा? क्या अनूपपुर प्रशासन कभी इस पगडंडी पर चलेगा? दादर सिलवारी आज भी कह रहा है कि "जब तक पानी नहीं, तब तक विकास नहीं"। अब भी वक्त है, वरना इतिहास लिखेगा कि विकास आया था, मगर इस गांव का रास्ता भूल गया था।

चैकिंग के नाम पर नहीं होगी अवैध वसूली

टोल प्लाजा के कैमरे करेंगे निगरानी, ई डिटेक्टशन सेल से जारी होगा चालान

हरिभूमि न्यूज राजनगर। परिवहन आयुक्त कार्यालय ग्वालियर मध्यप्रदेश में ई डिटेक्शन सेल को राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र के ई डिटेक्शन प्रणाली के माध्यम से उत्पन्न ई चालानों को जारी करने के लिए अधिकृत किया गया है। नेशनल हाईवे और स्टेट हाइवे के टोल बूथों पर निकलने वाले वाहनों की जांच में वैध दस्तावेज नहीं पाए जाने पर ई डिक्टेशन सेल के अधिकारी इन वाहनों के चालान जारी करेंगे। मध्यप्रदेश शासन के परिवहन विभाग के परिवहन सचिव मनीष सिंह ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिए हैं। राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र की डिटेक्शन प्रणाली को मध्यप्रदेश में स्थित नेशनल हाईवे तथा स्टेट हाईवे के टोल बूथ और मध्यप्रदेश शासन के अन्य विभागों के साथ एकीकृत किया जाएगा तथा इन मार्गों से गुजरने के दौरान पता लगने वाले वाहनों हेतु मोटरयान अधिनियम के तहत आवश्यक दस्तावेजों की वैधता का सत्यापन ई डिटेक्शन प्रणाली के माध्यम से स्वतः हो जाएगा। ऐसे वाहनों के दस्तावेज अविधिमान्य पाए जाने की दशा में ऐसे वाहनों के दस्तावेज परिवहन आयुक्त मध्यप्रदेश के द्वारा नाम निर्दिष्ट ई डिटेक्शन सेल के अधिकारियों द्वारा चालान जारी किए जाएंगे। इससे यह चालान सीधे जारी होंगे और नियम प्रकिया का पालन किए बिना संचालित किये जा रहे वाहन चालकों को चालान के माध्यम से जुर्माना, दंड, जमा करना होगा।

अब इस तरह बनेंगे चालान

मध्यप्रदेश के स्टेट हाईवे पर करीबन 110 टोल प्लाजा संचालित है। इसके अलावा प्रदेश में नेशनल हाईवे ऑथॉरिटी ऑफ इंडिया के 97 टोल प्लाजा हैं। इन टोल प्लाजा से हर रोज हजारों की संख्या में वाहन गुजरते हैं, लेकिन अब इन टोल प्लाजा पर यहां से गुजरने वाले हर वाहन की कैमरों के माध्यम से स्कैनिंग की जाएगी। वाहन जैसे ही टोल प्लाजा से गुजरेगा। यहां लगाए जा रहे हाई रेजोल्यूशन कैमरे वाहनों के नंबर को स्कैन करके इसके डाटा को नेशनल इंफॉर्मेटिक्स सेंटर के सेंट्रल सर्वर को भेज देगा।

शासकीय (बालक) उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भवन निर्माण में वर्षों की देरी, छात्र हो रहे प्रभावित

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

जिले के शासकीय (बालक) उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के नवीन भवन निर्माण कार्य में वर्षों से हो रही देरी अब विद्यार्थियों के भविष्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रही है। वर्ष 2006 से प्रारंभ हुई उन्नयन एवं भवन निर्माण की प्रक्रिया आज तक पूर्ण नहीं हो सकी है, जिससे छात्र-छात्राओं को मूलभूत सुविधाओं के अभाव में अध्ययन करना पड़ रहा है।

2006 से शुरू हुई प्रक्रिया, अब तक अधूरी

उपलब्ध जानकारी के अनुसार जुलाई 2006 में विद्यालय का माध्यमिक शाला से हाईस्कूल में उन्नयन किया गया। जुलाई 2006 से अक्टूबर 2013 तक विद्यालय का संचालन पुराने भवन में प्रथम पाली में होता रहा। तत्पश्चात 07 अक्टूबर 2013 को सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास अनूपपुर के आदेशानुसार विद्यालय को हाईस्कूल भवन में संचालित किया जाने लगा। कलेक्टर अनूपपुर के आदेश पर खसरा नंबर 161/1-5/1 के अंश रकबा 0.322 हेक्टेयर भूमि विद्यालय हेतु आवंटित की गई। वर्ष 2016-17 में विद्यालय का उच्चतर माध्यमिक (हायर सेकेंडरी) में उन्नयन हुआ और 2018-19 में 173.25 लाख की लागत से नवीन भवन निर्माण की स्वीकृति प्रदान की गई। निर्माण कार्य पीआईयू के माध्यम से संबंधित एजेंसी को सौंपा गया।

नक्शा बदला, लेकिन कार्य शुरू नहीं

प्रारंभिक स्वीकृत नक्शा 14 कमरों का था, जिसे यू-शेप में अनुमोदित किया गया। भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने की प्रक्रिया पूर्ण कर अनुविभागीय अधिकारी अनूपपुर द्वारा पीआईयू को कार्य प्रारंभ हेतु सौंपा गया। बाद में पीआईयू द्वारा प्रस्तावित नक्शे को जी$1 स्वरूप में परिवर्तित कर पुनः अनुमोदन हेतु भेजा गया। नया नक्शा प्राप्त होने के बाद शीघ्र निर्माण प्रारंभ कराने का आश्वासन दिया गया, किंतु 01 दिसंबर 2025 तक भी निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं हो सका। वर्षों से फाइलों में उलझी प्रक्रिया अब विद्यार्थियों के लिए परेशानी का कारण बन चुकी है।

वर्तमान स्थिति चिंताजनक

विद्यालय के वर्तमान स्थिति के अनुसार विद्यालय में वर्तमान में लगभग 4 कक्षों की कमी है। कक्षा 6वीं से 12वीं तक की कक्षाएं संचालित हो रही हैं, जिनमें 11वीं एवं 12वीं के कला एवं विज्ञान संकाय भी शामिल हैं। कक्षों के अभाव में विद्यार्थियों को एक ही कक्ष में समायोजित करना पड़ रहा है, कई बार वैकल्पिक व्यवस्था में कक्षाएं संचालित करनी पड़ती हैं, शैक्षणिक गुणवत्ता प्रभावित हो रही है, परीक्षा एवं प्रायोगिक कार्यों में व्यवधान उत्पन्न हो रहा है। विद्यालय प्रशासन सीमित संसाधनों में व्यवस्थाएं बनाने का प्रयास कर रहा है, परंतु स्थायी समाधान भवन निर्माण पूर्ण होने पर ही संभव है।

अभिभावकों और जनप्रतिनिधियों की मांग

स्थानीय अभिभावकों एवं जनप्रतिनिधियों ने संबंधित विभाग से शीघ्र निर्माण कार्य प्रारंभ कर निर्धारित समय सीमा में पूर्ण कराने की मांग की है। उनका कहना है कि करोड़ों की स्वीकृति के बाद भी वर्षों तक कार्य लंबित रहना गंभीर प्रशासनिक लापरवाही को दर्शाता है। विद्यार्थियों का भविष्य दांव पर है और उन्हें बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराना शासन-प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। अब देखना यह है कि संबंधित विभाग इस लंबे समय से लंबित निर्माण कार्य को कब गति देता है और विद्यार्थियों को राहत कब तक मिल पाती।

इनका कहना है

विद्यालय अब तक क्यों नहीं बना इसकी पूरी जानकारी लेकर तत्काल कार्रवाई की जाएगी।

श्रीमती अर्चना कुमारी
मुख्य कार्यपालन अधिकारी
अधिकारी, जिला पंचायत अनूपपुर'

कन्या विवाह योजना में हुआ 200 जोड़ों का सामूहिक विवाह

जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने वर-वधुओं को दिया आशीर्वाद

हरिभूमि न्यूज कोतमा।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत शनिवार को नगर पालिका के द्रोणाचार्य स्टेडियम में सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम मे राज्य मंत्री ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्य प्रदेश में बेटियों के सम्मान, सुरक्षा और सशक्तिकरण के लिए निरंतर कार्य हो रहा है। इसी सोच के साथ यह योजना संचालित की जा रही है ताकि हर बेटी का विवाह खुशी और गरिमा के साथ हो सके। उन्होंने नवविवाहित जोड़ों को भावी दांपत्य जीवन के लिए शुभकामनाएं देते हुए आशीर्वाद प्रदान किया। कार्यक्रम मे कोल विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष रामलाल रौतेल, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रीति सिंह, नगर पालिका अध्यक्ष अजय सराफ मुख्य रूप से उपस्थित थे।

खुशियों से गूंजा समारोह स्थल

विवाह स्थल पर पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मंत्रोच्चार, जयमाला और आशीर्वाद के बीच नवदंपतियों के चेहरे पर मुस्कान साफ झलक रही थी। परिवारों ने शासन का आभार व्यक्त करते हुए इसे उनके लिए बड़ी राहत बताया। वैदिक मंत्रों और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ 200 जोड़ों का सामूहिक विवाह समारोह संपन्न हुआ। वैदिक आचार्यों द्वारा मंत्रोच्चार एवं विधिवत पूजन के साथ सभी जोड़ों ने सात फेरे लेकर वैवाहिक जीवन की शुरुआत की। समारोह स्थल को आकर्षक रूप से सजाया गया था, जहां बड़ी संख्या में परिजन एवं आमजन उपस्थित रहे।

निकाली बारात

आयोजन के अंतर्गत भव्य बारात निकाली गई, जिसमें बैंड-बाजे और पारंपरिक वेशभूषा ने उत्सव का माहौल बना दिया। बारातियों का पुष्पवर्षा एवं आतिथ्य सत्कार के साथ स्वागत किया गया। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती अर्चना कुमारी, जनपद अध्यक्ष अनूपपुर श्रीमती धनमति सिंह, विंध्य विकास प्राधिकरण के पूर्व उपाध्यक्ष रामदास पूरी, नगर पालिका बिजुरी अध्यक्ष श्रीमती सहबीन पनिका, अनुविभागीय दंडाधिकारी अधिकारी राजस्व कोतमा टीआर नाग, तहसीलदार दशरथ सिंह, मुख्य नगर पालिका अधिकारी प्रदीप झारिया सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी, एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री मजरा टोला सड़क योजना व पीएमजीएसवाई चतुर्थ कार्य योजना सर्वसम्मति से अनुमोदित

जिपं सदस्यों ने उपयुक्त सर्वे एवं कार्य योजना को सराहा

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। जिला पंचायत सामान्य सभा की बैठक जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती प्रीति रमेश सिंह की अध्यक्षता में जिला पंचायत सभागार में आयोजित की गई। बैठक में जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालनअधिकारी श्रीमती अर्चना कुमारी, जिला पंचायत की उपाध्यक्ष श्रीमती पार्वती वाल्मीकि राठौर, सदस्य सुश्री भारती केवट, श्रीमती किरण चौधरी, श्रीमती भुवनेश्वरी सिंह, श्रीमती यशोदा कोदू सिंह, भूपेंद्र सिंह, नर्मदा सिंह, राम जी रिंकू मिश्रा, दरोगा सिंह, रंजीत सर्राटी व पीएमजीएसवाई के महाप्रबंधक दीपेश रावल, सहायक प्रबंधक संजय दुबे, जिला पंचायत के परियोजना अधिकारी डॉ उमेश द्विवेदी, उपसंचालक कृषि सहित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में मुख्यमंत्री मजरा टोला सड़क योजना अंतर्गत जिले के चारों विकास खण्डो कि तैयार की गई प्राथमिकता सूची तथा पीएमजीएसवाई चतुर्थ चरण योजना के अंतर्गत तैयार की गई प्राथमिकता सूची में लिए गए कार्यों पर संतुष्टि व्यक्त करते हुए उपयुक्त सर्वे तथा कार्य योजना निर्माण की सराहना करते हुए कार्य योजना का सर्वसम्मति से अनुमोदन प्रदान किया गया। बैठक में जिला पंचायत की

मुख्य कार्यपालन अधिकारी अधिकारी श्रीमती अर्चना कुमारी एवं पीएमजीएसवाई के महाप्रबंधक दीपेश रावल ने कार्य योजना के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। उन्होंने सैटेलाइट सर्वे तथा भौतिक सत्यापन कार्य आदि के संबंध में भी जानकारी दी। बैठक में कृषि विकास एवं किसान कल्याण विभाग की महत्वपूर्ण योजना प्रधानमंत्री कृषि धन-धान्य योजना तथा बीज वितरण, फसल प्रदर्शन, उन्नत कृषि तथा लेमनरोजा तथा पामारोजा पौधारोपण क्षेत्र के वृद्धि के संबंध में चर्चा की गई। बैठक में जैविक खेती पर जोर देते हुए जैविक खाद के निर्माण तथा जैविक खेती के लिए कृषकों को प्रोत्साहित करने के संबंध में कार्य करने पर जोर दिया गया। जिला पंचायत के सदस्यों ने अपने क्षेत्र से संबंधित विकास कार्यों के संबंध में अधिकारियों का ध्यान आकर्षित किया।

!! राधे-राधे !! !! श्री गणेशाय नमः !! !! राधे-राधे !!
श्री गुजरात ग्रेनाईट एंड टाईल्स
ग्रेनाईट एवं टाईल्स के थोक एवं फुटकर विक्रेता
हमारे यहां सभी प्रकार के टाईल्स, ग्रेनाईट- सांड्य Z ब्लैक, सुपर ब्लैक, आर ब्लैक इत्यादि एवं सेनेट्री, कड़प्पा उचित दामों पर उपलब्ध है।
कोटा स्टोन उपलब्ध है।
प्रो. देवेन्द्र सिंह जी 7742294629, 7440984719, 7737330239